डॉ. मुखर्जी के जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए : मिश्रा

भाजपा कार्यालय में मनाई गई डॉ. मुखर्जी की जयंती, कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

मंडला, देशबन्धु। भाजपा जिला कार्यालय में रविवार को जनसंघ के संस्थापक व प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई गई। इस दौरान जिला कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश की कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, कार्यक्रम सह प्रभारी रवि सोनवानी, ओबीसी मोर्चा प्रदेश मंत्री राजेश पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष रोचीराम गुरवानी, बम्हनी नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना हरदहा सहित भाजपा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शिक्षा, राजनीति, समाज और संस्कृति के सभी क्षेत्रों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे वर्ष 1929 में बंगाल विधान परिषद के सदस्य बने और 1934 से 1938 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति भी रहे। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक विचारधारा के लिए अपना पूरा जीवन लगाया। वे कभी सत्ता पर बैठने के लिए नहीं आए थे। वे अनेक बार सत्ता में आए और हमेशा विचारधारा के लिए सत्ता का त्याग भी किए थे। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को मुखर्जी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जनहित योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।

कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे इन योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन हमें सिखाता है कि विचारों में दृढ़ता, देशभक्ति की भावना, और सच्चाई के लिए संघर्ष करना ही सच्चा नेतृत्व होता है। आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बारे में पूरा देश जानता है कि वो जिये देश के लिए, मेरे देश के लिए, और अमर हो गए देश के लिए, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी मानते थे कि भारत केवल एक राजनीतिक सत्ता नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक इकाई है जिसकी आत्मा सनातन भारतीय परंपराओं में निहित है। उनका मानना था कि सभी भारतीय, चाहे उनकी भाषा, जाति या धर्म कुछ भी हो, एक साझी संस्कृति के उत्तराधिकारी हैं। वही जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी भारतीय उद्योगों और स्वदेशी वस्तुओं के प्रबल समर्थक थे। वे चाहते थे कि भारत आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने, जिससे विदेशी निर्भरता कम हो और स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहन मिले।

डॉ. मुखर्जी के दिखाए रास्ते पर चलते हुए प्रधानमंत्री जी ने स्वदेशी वस्तुओं के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए मेक इन इंडिया जैसी पहल की नींव रखी। स्वदेशी वस्तुओं के उपभोग को बढ़ावा देने के लिए वोकल फॉर लोकल का मंत्र दिया तो वहीं देश और देश के नागरिक आत्मनिर्भर बने उसके लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान का शुभारंभ किया। वही मंच का संचालन सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा ने किया। वही कार्यक्रम के अंत में मंडला के वरिष्ठ समाजसेवी अशोक पांडे ने निधन उपरांत उनको भाजपा कार्यकर्ता के द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी, मोर्चा पदाधिकारी, वरिष्ठकार्यकर्ता, मातृशक्ति, जनप्रतिनिधि, नगर मण्डल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय ओबीसी महासभा ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

मंडला, देशबन्धु। अखिल भारतीय ओबीसी महासभा मंडला ने राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को शनिवार को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें बताया कि पिछले दिनों उप्र के इटावा में कथित कथावाचकों के साथ अमानवीय कृत की घटनाएं सामने आई है। जिसकी घोर निंदा की जाती है। संगठन उनके न्याय में प्रतिबद्ध है, हिंसाफ दिलाने तक लड़ाई जारी रहेगी। इसके पहले उन्होने बंजर चैक में एक सभा भी आयोजित की जहां से पैदल रैली निकाल कलेक्ट्रेट में पहुंच राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होनें दोषियों पर कार्रवाई मांग की है। दरअसल विगत दिनों पहले उप्र के इटावा में यादव कथावाचक के साथ दुर्व्यवहार करने का मामला सामने आया था जहां हीनभावना, विसगंति जैसी कार्यप्रणाली का कृत्य किया गया। कथित तौर पर चोटी काटना, मुण्डन कराना, नाक रगडना जैसे कृत्य किए किए गए। जिससे एससी, एसटी, ओबीसी समाज को गहरा आघात पहुंचा है। संगठन के कार्यकत्ताओं ने यह भी कहा कि जाति वर्ग के सम्मान में हमे मजबूरन सडक पर उतर प्रर्दशन करना पड़ रहा है। दोषियों पर सरकार उचित कार्रवाई करे अन्यथा न्याय नहीं मिलने पर न्यायालय तक जाएगें।

सार-समाचार

6 जुलाई तक की अवधि में औसत वर्षा 592.8 मिमी की गई दर्ज

मंडला, देशबन्धु। मंडला जिले में एक जून से 6 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 592.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 6 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 27.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील मंडला में 20.8 मिमी, नैनपुर में 14.6 मिमी, बिछिया में 9.6 मिमी, निवास में 52.4 मिमी, घुघरी में 38.7 मिमी एवं नारायणगंज में 30.7 मिमी वर्षा आंकी गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 जुलाई तक तहसील मंडला में 660.8 मिमी, नैनपुर में 638.8 मिमी, बिछिया में 480.6 मिमी, निवास में 52.4 मिमी, घुघरी में 480 मिमी एवं नारायणगंज में 693 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 308.7 मिमी वर्षा हुई थी। इस अवधि में पिछले वर्ष तहसील मंडला में 420.4 मिमी, नैनपुर में 337.6 मिमी, बिछिया में 300.3 मिमी, निवास में 273.9 मिमी, घुघरी में 186.8 मिमी एवं नारायणगंज में 340 मिमी वर्षा आकी गई थी।

रामनगर में घरों में भरा पानी अब आंदोलन की तैयारी

मण्डला,देशबन्धु। पदमी से सलवाह मार्ग में पडने वाले ग्राम रामनगर में सडक निर्माण कार्य में अनियमितता और नाली निर्माण न होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगभग 1 किलोमीटर कंक्रीट सडक का निर्माण एमपीआरडीसी कंपनी द्वारा किया गया था, लेकिन नाली निर्माण नहीं किया गया। शिव सेना जिला प्रमुख अजय झारिया ने बताया कि नाली नहीं होने से सडक के दोनों ओर रहने वाले लोगों के घरों और दुकानों में थोड़ी सी बारिश में पानी भर जाता है। इससे आमजन और व्यापारी वर्ग बहुत परेशान है। उन्होंने मांग की है कि खिरहनी तिराहे से लेकर रायभगत महल तक 5 फीट गहरी और 3 फीट चैड़ी नाली का निर्माण कराया जाए। अजय झारिया ने चेतावनी दी है कि समस्या का निराकरण शीघ्र नहीं होने पर ग्रामवासी द्वारा आंदोलन किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश का पानी भरने से उनकी गृहस्थी का सामान खराब हो रहा है और घरों की दीवार में सीलन बनी हुई है। पानी निकासी के लिए मोटर पंप ग्रामीण मोटर पंप के माध्यम से पानी निकालने को मजबूर हैं, लेकिन लगातार बारिश के कारण भी राहत नहीं मिल रही है। जल्द ही कलेक्टर को आवेदन दिया जाएगा और समस्या का निराकरण करने की मांग की जाएगी। सडक के किनारे अतिक्रमण के कारण भी पानी निकासी की व्यवस्था नहीं बन पा रही है।

दीपक कुशराम मंडला सांसद के निज सहायक नियुक्त

मंडला, देशबन्धु। मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते की अनुशंसा पर कलेक्टर कार्यालय के आदेशानुसार जिला योजना कार्यालय में पदस्थ लेखापाल दीपक कुशराम को मंडला लोकसभा सांसद कार्यालय का निज सहायक नियुक्त किया गया है। श्री कुशराम लगभग छः वर्ष पूर्व सांसद के निज सहायक के दायित्व में पदस्थ रह चुके है।

बाघ के हमले में युवक गंभीर

दमोह, देशबन्धु। दमोह जिले से सटे पन्ना जिले के हरदुआ गांव निवासी एक युवक पर रविवार की सुबह जंगल में बाघ ने हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल के चिल्लाने पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए तत्काल ही सिमरिया स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल में डॉक्टर के द्वारा घायल का इलाज शुरू किया गया है। वहीं परिजनों के बताएं अनुसार वन विभाग पन्ना के द्वारा घायल को मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जा रही है। घायल जेहर पिता प्रताप यादव 40 पटीकला हरदुआ थाना सिमरिया जिला पन्ना ने बताया की रविवार सुबह उसकी भैंस चरने के लिए जंगल की ओर गई थी। वह अपनी भैंसों को ढूंढने के लिए जंगल पहुंचा और एक तालाब किनारे अपना मुंह धो रहा था। इसी दौरान एक बाघ ने उस पर हमला कर दिया। वह किसी तरह अपनी जान बचाकर भागा, लेकिन ज्यादा दूर नहीं भाग सका और बाघ पीछे आ गया। उसने ग्रामीणों को आवाज दी। जैसे ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो उन्होंने चिल्लाते हुए पत्थर मारकर बाघ को वहां से भगाया। घायल जेहर को इलाज के लिए 108 की सहायता से स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, लेकिन घाव गंभीर होने के चलते डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल दमोह रेफर कर दिया।

नेशनल हाइवे पर जाम परेशानी

सड़क, पुल क्षतिग्रस्त, जल्द होनी चाहिए मरम्मत

मंडला,देशबन्धु। नेशनल हाइवे 30 जो कि जबलपुर से रायपुर महानगर को जोड़ता है। इस मार्ग में सफर खतरे से भरा हो गया है। गुणवत्ताहीन निर्माण के कारण चर्चा में रहा नेशनल हाइवे का 10 साल बाद भी निर्माण पूर्ण नहीं हो सका है। खास कर फूलसागर से बरेला तक की स्थिति काफी खराब है। बारिश के बाद थोड़ी सी लापरवाही महंगी पड़ सकती है। कुछ माह पूर्व ही कांक्रीट सडक में आ रही खामियों को दूर करने के लिए ऊपर से डामरीकरण किया गया था। बारिश के बाद डामर बह गया और मार्ग में जगह-जगह गड्ढे दिखाई देने लगे हैं। इस मार्ग से दो पहिया चार पहिया वाहनो के साथ भारी वाहनो की अवाजाही हमेशा बनी रहती है। शुक्रवार को बारिश के बाद कई स्थानो में भू स्खलन के के कारण वाहनो की पहिये थमे थे। जिसका कारण बताया जा रहा है कि सडक निर्माण के दौरान पहाड़ी की सीधी कटाई कर दी गई है। पहाड़ी के ऊपर छोटे-बड़े पेड़ की जड़ भी कुछ ही मिट्टी में जमी हुई। लगातार बारिश के बाद पेड़ सहित छोटे बड़े पत्थर भी बह कर आ गए। जिससे समस्या उत्पन्न हुई।

पुलों की हालत भी खराब-हाइवे में मंडला से बरेला तक करीब आधा दर्जन पुल पड़ते हैं। जिनके ऊपर की सडक गड्ढों में तब्दील हो गई। रैलिंग क्षतिग्रस्त है। यहां से वाहन चालक वाहन निकालने में कई बार अनियंत्रित हो जाते हैं। गड्ढों के कारण दो पहिया वाहनों की गलत दिशा से निकलना मजबूरी बन जाती है।

पुल से गिर गया था डंफर- मंडला-जबलपुर मार्ग में पडने वाला नारायणगंज का बलाई नदी का पुल एक बार फिर खतरे को निमंत्रण दे रहा है। पूर्व में इस पुल पर एक बड़ा हादसा हुआ था, जिसमें एक डम्फर पुल से नीचे गिर गया था और चालक की मौत हो गई थी। इसके बावजूद प्रशासन सचेत नहीं हुआ है। अब फिर हादसे का इंतजार किया जा रहा है। पुल के ऊपर गड्ढों के साथ रैलिंग भी क्षतिग्रस्त है।

पूर्व विधायक का दिखा आक्रोश-फूल सागर मंडला पुल की जर्जर स्थिति और संबंधित विभागध्प्रशासन की अनदेखी के कारण शुक्रवार की रात पुल से निकलने के दौरान पूर्व डॉ अशोक मर्सकोले ने नाराजगी व्यक्त की।

बरखा रानी आई धरा पर बारिश की बूंदे बन कर रिमझिम-रिमझिम बरस रही अमृत की बूंदे बनकर

मंडला, देशबन्धु। मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति एवं अखिल भारतीय हिंदी सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन पावस गोष्ठी का आयोजन डॉ मुकुल तिवारी, वरिष्ठ साहित्यकार जबलपुर के मुख्य आतिथ्य, प्रो इंदु मिश्र के विशिष्ट आतिथ्य एवं डॉ संध्या शुक्ल मृदुलश् संयोजक मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति जिला मंडला तथा प्रदेश अध्यक्ष, अखिल भारतीय हिंदी सेवा समिति मध्य प्रदेश की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

सरस्वती वंदना के पश्चात कार्यक्रम का आगाज करते हुए डॉ मुकुल तिवारी कहती हैं- रिमझिम रिमझिम वर्षा होय मौसम ठंडा होता है, मन मयूर बन करके नाचने लगता है। प्रो इंदु मिश्र कहती हैं- धरती हर्षाती है नवराग सुनाकर नवरंग दिखाती है। डॉ संध्या शुक्ल ने अपनी काव्य अभिव्यक्ति दी कि मेघों से फिर अंबर भरा रिमझिम हो रही फुहार, सकल धारा को है मिला बरखा का उपहार। शासकीय महिला महाविद्यालय मंडला के प्राचार्य डॉक्टर शरद नारायण खरे ने कहा- इन मेघों का अभिनंदन है लगता सुखद सतत है बहुत दिनों बाद धरा खुश है तबीयत आनंदित है।

अनीता गोयल अपने निराले अंदाज में कहती हैं- उमड़-घुमड़ बादल बरसे फिर भी है मन उदास, अबके साजन कब आएंगे हम राह तकें। डॉ रश्मि वाजपेई ने कहा- नभ पर छम-छम आता पावस, व्योम पर उत्सव मनाती बारिश। अन्नपूर्णा त्रिपाठी श्अनुकेशश् ने कहा- सब ऋतुओं में श्रेष्ठ है वर्षा, गर्मी में तुम बिन तन मन तरसा। सरिता अग्निहोत्री कहती हैं- काली घटा नभ पर है छाई, धरती पर पावस ऋतु है आई। कीर्ति दुबे ने कहा- बरखा रानी आई धरा पर बारिश की बूंदे बनकर, रिमझिम-रिमझिम बरस रही है अमृत की बूंदे बनकर। अनीता दुबे कहती हैं- वर्षा की बूंदे हर पल मन में कुछ अहसास जागती हैं। बबलिया से सरोज पांडे ने सस्वर गायन के माध्यम से कहा- मैं हूं बारिश की झड़ी बरखा रानी, मैं हूं मुझसे वसुधा है हरियाती। नवनीता दुबे कहती हैं- सखी री मनभावन आया, मौसम कितना सुहावन आया। जबलपुर से ज्योति प्यासी कहती हैं- धरती ने हरियाली की सलोनी चुनर ओढ़ी, वसुधा का हुआ अनुपम रूप निराला। डॉ संध्या शुक्ल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि सभी रचनाकारों ने पावस पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि सभी रचनाकार भविष्य में भी इसी तरह से साहित्य सृजन करते रहेंगे।

जंगल में जुआ खेलते सात आरोपियों को किया गिरफ्तार

आठ लाख 35 हजार का मसरुका जब्त

मंडला, देशबन्धु। मंडला पुलिस द्वारा जुआरियों के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही करते हुए 07 आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से 01 लाख 850 रूपये, 09 मोबाईल फोन मौके से एक चार पहिया वाहन जब्त किया गया। पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बोडाछपरी कुटवाही के जंगल में कुछ लोग ताश के पत्तों से हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के नेतृत्व मे थाना खटिया, चैकी टाटरी, एसडीओपी कार्यालय की टीम द्वारा कल दिनांक 06 जून 2025 को पुलिस बल के साथ संयुक्त रूप से बताए गए स्थान पर दबिश दी गई।

थाना खटिया अंतर्गत जंगल में दबिश के दौरान पीले रंग की तिरपाल के नीचे ताश खेलते हुए 07 आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों के नाम नीरज सोनी, शैलेन्द्र जयसवाल, मुकेश जांबरे, पवन सोनी, अनिश सहारे, वीरेंद्र दुबे एवं संतोष ऐठेकर हैं, जो विभिन्न स्थानों से आकर जंगल में जुआ खेल रहे थे। मौके से 1,00,850 नकद राशि, 09 मोबाइल फोन, सिलेरियो कार क्रमांक डच्51ब।1460, 28 ताश की गड्डियां एवं एक तिरपाल सहित कुल 8,35,850 की सामग्री विधिवत जब्त की गई।

पकड़े गए आरोपियों का कृत्य धारा 13 जुआ एक्ट एवं धारा 112 भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत दंडनीय पाए जाने पर सभी आरोपियों के विरुद्ध थाना खटिया में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। मंडला पुलिस द्वारा जुआ-सट्टा जैसी सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाया जा रहा है एवं प्राप्त सूचना पर लगातार कार्यवाही की जा रही हैं। उक्त कार्यवाई एसडीओपी नैनपुर के नेतृत्व में की गई, जिसमें थाना प्रभारी खटिया निरीक्षक कैलाश चंद चैहान, चैकी प्रभारी टाटरी उप निरीक्षक पुनीत बाजपेयी, उनि बीएस चिचाम, उनि दुर्गा भगत (नैनपुर), एएसआई कुंदन टेकाम, प्रधान आरक्षक अवधेश तिवारी, भूपेन्द्र, आरक्षक संजय मरकाम, मोहित पटले, योगेन्द्र, विलेन्द्र नायक, चाआर ललित एसडीओपी कार्यालय से अखिलेश सचान, सुरेन्द्र धुर्वे एवं सुरेश भटेरे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अवैध शराब के विरुद्ध की कार्रवाई

मंडला, देशबन्धु। जिला आबकारी अधिकारी रामजी पांडेय के मार्गदर्शन में मंडला जिले के वृत नैनपुर में चिरईडोंगरी में दबिश की कार्रवाई के दौरान 5 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। 24 पाव देसी प्लेन और मसाला, 25 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त किया गया। मदिरा विक्रय में लिप्त आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। इसी प्रकार ग्राम लफरा में जनसुनवाई में प्राप्त शिकायत की जांच ग्राम पंचायत लफरा के सरपंच एवं नशा मुक्ति समिति की महिलाओं की उपस्थिति में किया गया। जिसमें उल्लेखित नामो के घर की विधिवत तलाशी ली गई एवं पंचनामा तैयार किया गया। ग्राम मोचा में रिसोर्ट एवं होटल में औचक चैकिंग की कार्यवाही की गई। जिसमें भिल्स कबीला रिसोर्ट में चैकिंग के दौरान डाइनिंग एरिया से 1 खड्डे के कार्टून में विदेशी शराब एवं बियर पाई गई। 11 बोतल जमसोन व्हिस्की एवं अबसोलुटे वोदका एवं 4 कैन किंगफिशर बियर जप्त किया गया। रिसोर्ट से मदिरा संधारण के लिए लाइसेंसध्अनुज्ञा पत्र प्रस्तुत करने हेतु कहा गया। प्रस्तुत नही करने पर विधिवत मदिरा जप्त कर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

नवजात शिशु मृत्यु दर में सात प्रतिशत की आई कमी

मंडला, देशबन्धु। मंडला जिला अस्पताल में नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई नवजात शिशुओं के जीवन बचाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, जिससे जिले में नवजात शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। पिछले कुछ वर्षों से 10-12 प्रतिशत पर स्थिर रही।

यह मृत्यु दर अब जनवरी से जून 2025 तक के पहले छह महीनों में घटकर मात्र 7 प्रतिशत पर आ गई है, जो सरकार के 10 प्रतिशत से कम के मानक के अनुरूप है। जानकारी अनुसार यह उपलब्धि सरकार द्वारा एसएनसीयू सुविधाओं में किए गए लगातार सुधारों का परिणाम है। इन प्रयासों में स्टाफ और डॉक्टरों के लिए नियमित प्रशिक्षण सत्र भी शामिल हैं, जिनका उद्देश्य उनके कौशल को बढ़ाना है। इसके साथ ही आधुनिक मशीनों और उपकरणों की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है, जिससे नवजात शिशुओं को बेहतर और अधिक प्रभावी उपचार मिल सके।

शिशु मृत्यु दर में आई कमी -बताया गया कि मंडला जिला अस्पताल में एसएनसीयू उन नवजात शिशुओं के लिए एक जीवन रेखा है, जिनका जन्म समय से पहले हुआ है, कम वजन है, सांस लेने में कठिनाई है, पीलिया है या किसी संक्रमण से जूझ रहे हैं। यह इकाई इन नाजुक शिशुओं को विशेष देखभाल और निगरानी प्रदान करती है। सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंती ने बताई की कि आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023-24 में 1910 नवजात शिशुओं को एसएनसीयू में उपचार के लिए भर्ती किया गया था, जबकि 2024-25 में यहां नवजात शिशुओं की भर्ती संख्या 1837 हो गई।

चिकित्सकों की टीम है समर्पित- बताया गया कि सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे के कुशल नेतृत्व में डॉ. अंकित चैरसिया, डॉ. कमलेश ठाकुर और डॉ. अलका तेजा की समर्पित टीम प्रोटोकॉल के तहत नवजात शिशुओं का उपचार कर रही है। नर्सिंग स्टाफ दिन-रात बच्चों की कड़ी निगरानी और सेवा में लगा रहता है, जो इस सफलता में एक महत्वपूर्ण योगदान है। डॉक्टरों की टीम का कहना है कि उनका प्रयास है कि सभी नवजात बच्चों को सर्वोत्तम इलाज मिले और यह मृत्यु दर भविष्य में और भी कम हो।